खुले जंगल में जंगली हनीमून-2

“कुछ देर इन्होंने मुझे ऐसे ही चोदा, जब थोड़ा थक गए तो मुझे नीचे उतार दिया और घोड़ी बना कर पीछे से डाला, पीछे से अंदर बाहर कर रहे थे और साथ की साथ मेरे स्तनों को ऐसे निचोड़ रहे थे जैसे उनमें से रस निकालना हो। मगर अब मैं इस दर्द की आदी हो […] ...”

Story By: (varindersingh)
Posted: Wednesday, February 18th, 2015
Categories: हिंदी सेक्स स्टोरी
Online version: खुले जंगल में जंगली हनीमून-2

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

खुले जंगल में जंगली हनीमून-2

कुछ देर इन्होंने मुझे ऐसे ही चोदा, जब थोड़ा थक गए तो मुझे नीचे उतार दिया और घोड़ी बना कर पीछे से डाला, पीछे से अंदर बाहर कर रहे थे और साथ की साथ मेरे स्तनों को ऐसे निचोड़ रहे थे जैसे उनमें से रस निकालना हो।

मगर अब मैं इस दर्द की आदी हो चुकी थी सो मैं भी मज़े कर रही थी।

कुछ देर ऐसे ही चोदने के बाद ये नीचे लेट गए और मैं ऊपर आ गई।

मैंने ऊपर आकर इनका लण्ड अपने हाथ में पकड़ा और अपनी चूत पे सेट किया और अभी आधा ही अंदर लिया था कि हमारी बगल से दो पहाड़ी लड़के जिनकी उम्र करीब 20-21 साल होगी, हमारे सामने आ गए।

मैं रुक गई।

अब हमारे कपड़े भी दूर पड़े थे सो भाग के कपड़े भी नहीं उठा सकती थी।

मैंने अपने पति को इशारा किया।

वो उठ बैठे और उन लड़कों से मुखातिब होकर बोले- हूँ, क्या है, चलो यहाँ से।

मगर वो लड़के वहीं खड़े हमें देख देख के मुसकुराते रहे।

मैंने खुद को अपने पति के पीछे छुपाने की कोशिश की।

मगर उन दोनों का सारा ध्यान तो मुझे देखने में ही था।

मेरे पति ने एक बार मेरी तरफ देखा और फिर उन दोनों से बोले- क्या चाहते हो ?

वो दोनों बोले तो कुछ नहीं पर एक लड़के ने मेरी तरफ उंगली से इशारा किया।

मेरे पति ने उन्हे अपने पास बुलाया।

जब दोनों करीब आ गए तो मैंने देखा कि उन दोनों की नून्नी उनकी पेंट में अकड़ी हुई थी।

मेरे पति ने उनसे पूछा- क्या कभी किसी को चुदते हुये नहीं देखा ?

उन दोनों ने ना में सर हिलाया।

'क्या कभी किसी को चोदा है पहले ?' फिर मेरे पति ने सवाल किया।

दोनों ने फिर से न में सर हिलाया।

मेरे पति ने मुझसे कहा- ऋष, सामने आओ ?

मैंने थोड़ा गुस्से में कहा- क्या कर रहे हैं आप, मुझे दो गैरों के सामने नंगी खड़ी कर रहे हो ?

'अरे आओ तो, तुम्हें एक मज़ेदार चीज़ दिखाता हूँ' उन्होंने कहा।

मैं थोड़ा सकुचाते हुये, थोड़ा सा अपने पति के पीछे से बाहर को आई, तो मेरे पति ने मुझे खींच कर बिल्कुल सामने कर दिया और उन दो लड़कों से बोले- बोलो, क्या कभी इतनी शानदार औरत बिल्कुल नंगी देखी है ?

दोनों ने मुस्कुराते हुये फिर न में सर हिलाया।

‘इधर आओ, हमारे पास…’ जब मेरे पति ने बुलाया तो दोनों लड़के हमारे पास आ गए।

‘अब तुमने तो हम दोनों को नंगा देख लिया है, अब अपनी पैंट उतारो और हमें भी दिखाओ तुम्हारे पास क्या है।’

जब मेरे पति ने कहा तो वो दोनों लड़के शर्मा गए।

मेरे पति उठे और उनके पास जाकर उन्होंने उन दोनों लड़कों की पैंट उतार दी।

दोनों के लण्ड चाहे मेरे पति के लण्ड से काफी छोटे थे पर पूरी तरह से अकड़े पड़े थे।

मेरे पति ने मुझे भी पास बुलाया और कहा- तुम इन दोनों के लण्ड पकड़ो, और तुम दोनों इस खूबसूरत औरत की चूची दबाओ और पियो।

दोनों लड़को ने तो झट से मेरे दोनों स्तन अपने अपने मुख में लेकर चूसने शुरू कर दिये तो मैंने भी दोनों के लण्ड अपने हाथ में लेकर सहलाने शुरू कर दिये।

मेरे पति उन दोनों लड़कों के बाकी कपड़े भी उतारने लगे और उन दोनों को भी बिल्कुल नंगा कर दिया।

जब हम चारों नंगे हो गए तो हम वापिस उस पत्थर की तरफ चल पड़े जहाँ पहले मेरी चुदाई हो रही थी।

मुझे वहाँ पे लेटा कर मेरे पति ने उन दोनों से पूछा- बोलो, पहले कौन चुदाई करना चाहेगा ?

उनमें से एक ने कहा- मैं बड़ा हूँ, पहले मैं…

तो मैंने अपनी टाँगें चौड़ी कर दी और उस लड़के को हाथ पकड़ के अपने ऊपर खींच लिया।

जब वो लड़का मेरे ऊपर लेट गया तो मैंने उसका लण्ड पकड़ के अपनी चूत पे सेट किया।

जब उसने डाला तो बड़े आराम से डल गया क्योंकि मेरी चूत तो पहले ही मेरे पति ने काफी खुल्ली कर दी थी।

वो जब छोड़ने लगा तो मैंने दूसरे लड़के को पास बुलाया और उसका लण्ड अपने मुँह में लेकर चूसने लगी।

मेरे पति ने बैग से कैमरा निकाला और इस सारे क्रिया कलाप की वीडियो बनाने लगे।

शायद दोनों का पहला सेक्स होने के कारण दोनों कुछ ज्यादा ही उत्तेजित हो गए थे। एक मेरी चूत चोद रहा था तो दूसरा मुख।

कोई 2-3 मिनट में ही दोनों ने अपने गरम वीर्य से मेरा मुख और चूत दोनों भर दिये।

यह देख मेरे पति हंसने लगे- अरे बस क्या, अभी यह हाल है तो शादी के बाद क्या करोगे, औरत को तो जितनी देर ज्यादा चोदोगे, वो उनती खुश रहती है।

इसके बाद मेरे पति ने कैमरा साइड पे एक पत्थर पे सेट किया और खुद भी आ गए।

उसके बाद वो दोनों लड़के हमारे आस पास बैठ गए और मेरे पति ने मुझे अपने नीचे खींच लिया- आ जा मेरी जान, आ तेरी माँ की भोंसड़ी खोलूँ…

मगर तभी एक लड़का बोल पड़ा- नहीं ऐसे नहीं, जब हम आए थे जैसे तब कर रहे थे, वैसे करो।

‘मतलब तुम्हारी दीदी ऊपर हो ?’ मेरे पति ने पूछा तो उस लड़के ने हाँ में सर हिलाया।

तो मेरे पति नीचे लेट गए और मैं उनके ऊपर आ गई।

मैंने फिर से उनका लण्ड अपनी चूत पे सेट किया और नीचे को बैठ गई और धीरे धीरे उनका सारा लण्ड मेरी चूत में समा गया।
वो दोनों लड़के बहुत बारीकी से हर चीज़ देख रहे थे।

जैसे जैसे मैं धीरे धीरे ऊपर नीचे हो रही थी, वो दोनों मेरी और मेरे पति की हर एक हरकत को देख रहे थे।

जब मैंने स्पीड पकड़ी तो उन दोनों के लण्ड फिर से तन गए।

वो दोनों मेरे जिस्म पर हाथ फेर रहे थे और फिर से मुझे चोदना चाहते थे।

मगर मैं इस लम्हे को अपनी पति के साथ भोगना चाहती थी तो मैंने बोला- पहले इनसे कर लूँ फिर तुम दोनों को भी दूँगी।

दोनों खुश हो गए।

करीब 7-8 मिनट की ताबड़तोड़ चुदाई के बाद मैं और मेरे पति दोनों झड़ गए।

जब मैं अपने पति के ऊपर से उतरी तो एक लड़का झट से नीचे लेट गया।

मैंने भी बिना कोई विरोध किए, उसके ऊपर लेट गई और उसका छोटा सा लण्ड अपनी चूत में ले लिया।

जब दूसरा लड़का खड़ा देखा रहा था तो मेरे पति ने कहा- देखता क्या है, तू भी डाल दे।

‘कहाँ डालूँ ?’ उसने हैरान होकर पूछा।

‘अबे थूक लगा और गाँड में डाल दे।’ जब मेरे पति ने कहा तो उसने थूक लगा कर मेरी गुदा के छेद पे अपना लण्ड रखा और थोड़ी सी मेहनत के बाद उसका लण्ड भी मेरे जिस्म के पार हो गया।

अब हम तीनों ज़ोर लगा रहे थे।

मैं एक ही बार में एक साथ दो दो लंडों का आनन्द ले रही थी और मेरे पति मेरी चुदाई की वीडियो बना रहे थे।

‘क्यों साली रंडी, दो दो लण्ड ले कर मज़ा ले रही है ?’ वो बोले।

तो मैंने भी कहा- पूछो मत… ऐसे लग रहा है जैसे मैं स्वर्ग में हूँ, बस एक मुँह का छेद खाली है, इसे भी भर दो।

तो मेरे पति ने अपनी लण्ड मेरे मुख में डाल दिया, जिसे मैं बड़े प्यार से चूसने लगी।

अबकी बार दोनों लौंडों ने लंबी पारी खेली और इस बार तो करीब 10-11 मिनट की चुदाई सभा चली और सब एक एक करके झड़े।

पहले मैं, फिर वो जो मेरी गाँड मार रहा था, फिर जो मेरे नीचे था और सब से अंत में मेरे पति।

मेरे जिस्म के तीनों छेद पुरुष वीर्य से लबालब भरे पड़े थे।

हल्की सर्दी के मौसम में भी हम सब को पसीना आ गया था।

कितनी देर हम वहाँ पर वैसे ही लेटे रहे।

थोड़ा संयत होने हम सबने अपने अपने कपड़े पहने और अपनी अपनी मंज़िल की ओर चल पड़े।

आज भी जब हम दोनों पति पत्नी उस खुद की ब्लू फिल्म देखते हैं तो रोमांच से भर जाते हैं।

alberto62lopez@yahoo.in

Other stories you may be interested in

कामवासना से बेबस मैं क्या करती

दोस्तो, मैं आपकी माया मेरी पिछली कहानी गान्ड बची तो लाखों पाये को पढ़ कर तारीफ़ भरे मेल करने के लिए दिल से धन्यवाद. मैं फिर से आपके समक्ष अपनी सच्ची कहानी पेश करती हूं. दोस्तो, मेरे पास एक चीज […]
Full Story >>>

बीपीएल राशनकार्ड बनवाने की फीस

हैलो दोस्तो, मेरा नाम अजय है. मैं उत्तर प्रदेश का रहने वाला हूँ. आज मैं आपके सामने अपनी अगली कहानी पेश कर रहा हूँ. ये कहानी किसी दूसरे लेखक/पाठक ने मुझे भेजी है. जिसने मुझे ये कहानी भेजी है, वो […]
Full Story >>>

मेरी सहेली ने मुझे काल बॉय से चुदवाया : ऑडियो सेक्स कहानी

यह करीब तीन महीने पहले की बात है. मैं अपने पति से बहुत परेशान हो गयी थी क्योंकि वो मुझे संतुष्ट नहीं कर पाते थे और जल्दी ठंडे हो जाते थे. क्योंकि मेरे पति का हथियार बहुत छोटा था, सिर्फ […]
Full Story >>>

पड़ोसन भाभी के साथ सेक्स एंड लव-2

मेरी सेक्सी कहानी के पिछले भाग पड़ोसन भाभी के साथ सेक्स एंड लव-1 में आपने पढ़ा कि कैसे मैं नैना के इतने करीब आ गया था हम दोनों ने एक दूसरे के होंठों के रस का मजा ले लिया था. […]
Full Story >>>

अन्तर्वासना पाठक का अजेय लंड

दोस्तो, मैं अर्पिता एक बार फिर हाजिर हुई हूँ मेरी जवानी की प्यास की कहानी लेकर. सबसे पहले तो आपका बहुत-बहुत धन्यवाद कि आपने मेरी पहली कहानी मेरी कुंवारी चूत की पहली चुदाई को इतना प्यार दिया. मुझे इतने सारे […]
Full Story >>>